सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(इतिहास)

Chapter 4: आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. रिक्त स्थान भरें-
(क) अंग्रेज़ों ने आदिवासियों को_____ के रूप में वर्णित किया।
(ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को _____कहा जाता है।
(ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को _____ स्वामित्व मिल गया।
(घ) असम के_____ और बिहार की_____ में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।
उत्तर:
क) अंग्रेज़ों ने आदिवासियों को **जंगली** के रूप में वर्णित किया।
(ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को **बिखेरना** कहा जाता है।
(ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को **भूमि का** स्वामित्व मिल गया।
(घ) असम के **बागान** और बिहार की **खादान** में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।

प्रश्न 2. सही या गलत बताएँ-
(क) झूम काश्तकार ज़मीन की जुताई करते हैं और बीज रोपते हैं।
(ख) व्यापारी संथालों से कृमिकोष खरीदकर उसे पाँच गुना ज्यादा कीमत पर बेचते थे।
(ग) बिरसा ने अपने अनुयायियों का आह्वान किया कि वे अपना शुद्धिकरण करें, शराब पीना छोड़ दें और डायन व जादू-टोने जैसी प्रथाओं में यकीन न करें।
(घ) अंग्रेज़ आदिवासियों की जीवन पद्धति को बचाए रखना चाहते थे।
उत्तर: (क) गलत
(ख) सही
(ग) सही
(घ) गलत

MUKUTclasses

आइए विचार करें

प्रश्न 3. ब्रिटिश शासन में घुमंतू काश्तकारों के सामने कौन-सी समस्याएँ थीं?
उत्तर:(i) अंग्रेजों ने जमीन को माप कर प्रति एक व्यक्ति का हिस्सा तय कर दिया।
(ii) उन्होंने यह भी तय कर दिया की किसे कितना लगान देना पड़ेगा।
(iii) कुछ ही किसानों को भू-स्वामी और दूसरों को पट्टेदार घोषित किया गया।
(iv) पट्टेदार अपने भू-स्वामियों का भाड़ा चुकाते थे और भू-स्वामी सरकार को लगान देते थे।
(v) पानी की कमी और सूखी मिट्टी के कारण घुमंतू काश्तकारों के खेतों में कभी अच्छी फसल नहीं हो पाई।

प्रश्न 4. औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आए?
उत्तर:
1. औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं के कामकाज और अधिकार काफी बदल गये थे।
2. उन्हें कई-कई गांवों पर जमीन का मालिकाना हक तो मिला, लेकिन उनकी शासकीय शक्तियाँ छीन लीं गई।
3. उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा बनाये गए नियमों को मानने के लिए बाध्य कर दिया गया।
4. उन्हें अंग्रेजों को नज़राना देना पड़ता था और अंग्रेजों के प्रतिनिधि की हैसियत से अपने समूहों को अनुशासन में रखना होता था।

प्रश्न 5. दीकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?
उत्तर:
1. आदिवासी दीकुओं के कारण अपने आस-पास हो रहे बदलावों से चिंतित थे।

2. उन्हें अंग्रेज शासन के कारण अनेक समस्याएं पैदा हो रही थी।
3. उनकी परिचित जीवन पद्धति नष्ट होती दिखाई दे रही थी।
4. उनकी आजीविका खतरे में थी और धर्म छिन्न-भिन्न हो रहा था।

प्रश्न 6. बिरसा की कल्पना में स्वर्ण युग किस तरह का था? आपकी राय में यह कल्पना लोगों को इतनी आकर्षक क्यों लग रही थी?
उत्तर: बिरसा की कल्पना में स्वर्ण युग में मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे, तटबंध बनाते थे, कुदरती झरनों को नियंत्रित करते थे, पेड़ और बाग़ लगाते थे, पेट पालने के लिए खेती करते थे। वे आपस में झगड़ते नहीं थे। यह कल्पना लोगों को आकर्षक इसलिए लगती थी क्योंकि वे अंग्रेजों के अत्याचारों से तंग आ चुके थे। उनकी जीवन पद्धति नष्ट होने जा रही थी। वे स्वर्ण युग को वापिस लाना चाहते थे।

आइए करके देखें

प्रश्न 7. अपने माता-पिता दोस्तों या शिक्षकों से बात करके बीसवीं सदी के अन्य आदिवासी विद्रोहों के नायकों के नाम पता करें। उनकी कहानी अपने शब्दों में लिखें।
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 8. भारत में रहने वाले किसी भी आदिवासी समूह को चुनें। उनके रीति-रिवाज़ और जीवन पद्धति का पता लगाएँ और देखें कि पिछले 50 साल के दौरान उनके जीवन में क्या बदलाव आएँ हैं?
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

MUKUTclasses